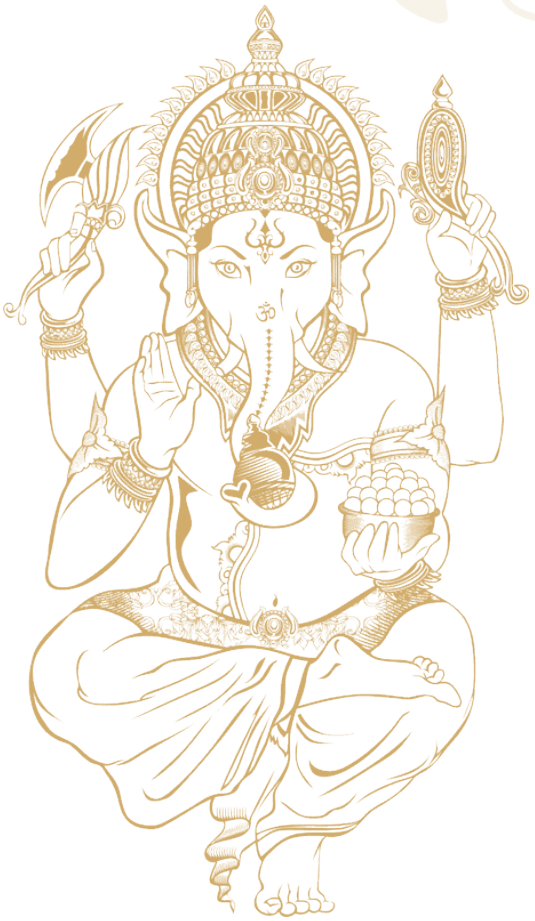

H

26 Nov 1990

04:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120978307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/11/1990**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:55:00 घंटे**
इष्ट	55:08:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:33:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:07 घंटे
साम्पातिक काल	08:52:25 घंटे
सूर्योदय	06:51:39 घंटे
सूर्यास्त	17:24:22 घंटे
दिनमान	10:32:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:42:19 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:52:23 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:52:23	309:43:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	09:42:19	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	14:45:46	12:58:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल	व		वृष	12:19:06	00:22:43	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध			वृश्चि	28:15:10	01:23:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	19:49:59	00:00:50	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	15:45:40	01:15:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			धनु	28:07:00	00:05:30	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
राहु	व		मक	05:58:37	00:00:30	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	05:58:37	00:00:30	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			धनु	13:55:53	00:03:07	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप			धनु	19:06:46	00:01:51	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	24:35:54	00:02:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	16:55:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:01

लग्न-चलित

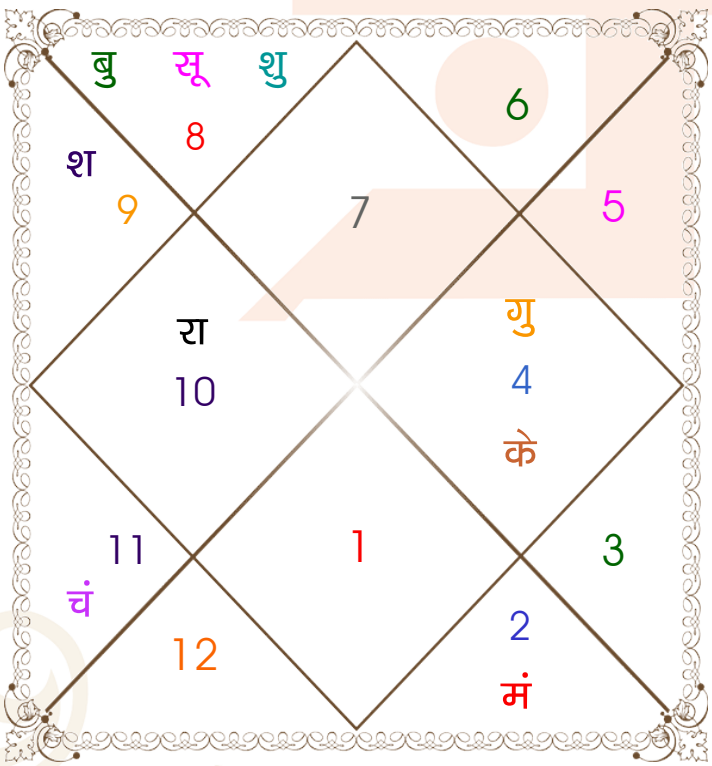

चन्द्र कुंडली

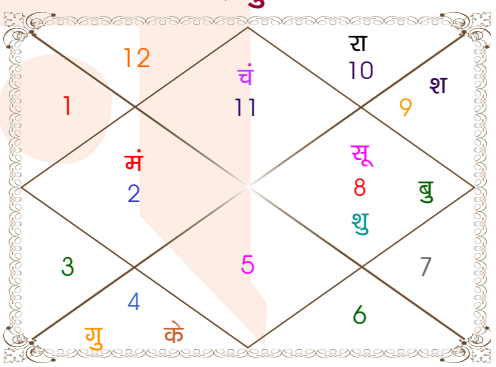

नवमांश कुंडली

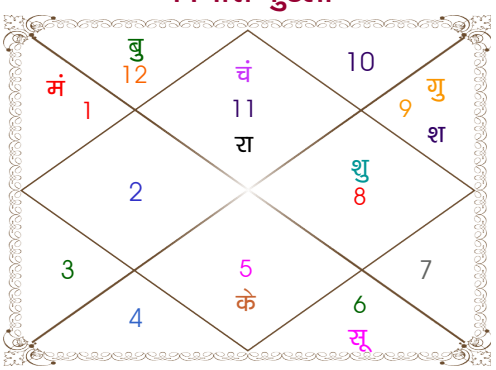

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 0 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/11/1990		21/12/1997		21/12/2013		21/12/2032		21/12/2049	
21/12/1997		21/12/2013		21/12/2032		21/12/2049		21/12/2056	
	00/00/0000	गुरु	08/02/2000	शनि	24/12/2016	बुध	20/05/2035	केतु	19/05/2050
	00/00/0000	शनि	22/08/2002	बुध	03/09/2019	केतु	16/05/2036	शुक्र	19/07/2051
	00/00/0000	बुध	27/11/2004	केतु	12/10/2020	शुक्र	17/03/2039	सूर्य	24/11/2051
	26/11/1990	केतु	02/11/2005	शुक्र	13/12/2023	सूर्य	21/01/2040	चंद्र	24/06/2052
केतु	10/07/1991	शुक्र	03/07/2008	सूर्य	24/11/2024	चंद्र	22/06/2041	मंगल	20/11/2052
शुक्र	10/07/1994	सूर्य	22/04/2009	चंद्र	25/06/2026	मंगल	19/06/2042	राहु	09/12/2053
सूर्य	04/06/1995	चंद्र	22/08/2010	मंगल	04/08/2027	राहु	05/01/2045	गुरु	15/11/2054
चंद्र	03/12/1996	मंगल	29/07/2011	राहु	10/06/2030	गुरु	13/04/2047	शनि	25/12/2055
मंगल	21/12/1997	राहु	21/12/2013	गुरु	21/12/2032	शनि	21/12/2049	बुध	21/12/2056

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/12/2056		21/12/2076		21/12/2082		21/12/2092		22/12/2099	
21/12/2076		21/12/2082		21/12/2092		22/12/2099		00/00/0000	
शुक्र	21/04/2060	सूर्य	09/04/2077	चंद्र	22/10/2083	मंगल	19/05/2093	राहु	04/09/2102
सूर्य	22/04/2061	चंद्र	09/10/2077	मंगल	22/05/2084	राहु	07/06/2094	गुरु	27/01/2105
चंद्र	21/12/2062	मंगल	14/02/2078	राहु	21/11/2085	गुरु	13/05/2095	शनि	04/12/2107
मंगल	21/02/2064	राहु	09/01/2079	गुरु	23/03/2087	शनि	21/06/2096	बुध	23/06/2110
राहु	20/02/2067	गुरु	28/10/2079	शनि	21/10/2088	बुध	18/06/2097	केतु	27/11/2110
गुरु	21/10/2069	शनि	09/10/2080	बुध	22/03/2090	केतु	15/11/2097		00/00/0000
शनि	21/12/2072	बुध	15/08/2081	केतु	22/10/2090	शुक्र	15/01/2099		00/00/0000
बुध	22/10/2075	केतु	21/12/2081	शुक्र	21/06/2092	सूर्य	23/05/2099		00/00/0000
केतु	21/12/2076	शुक्र	21/12/2082	सूर्य	21/12/2092	चंद्र	22/12/2099		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।